मुस्कानारिष्ट

☺ भारत की क्रिकेट विश्व कप में हार के लिये पूरी जिम्मेदारी दो लोगों को है।
– कौन हैं वो?
– एक श्रीमती इंदिरा गाँधी और दूसरे हनुमान जी।
– वो कैसे?
– श्रीमती इंदिरा गाँधी इसलिये क्योंकि उन्होंने ही बांग्लादेश बनाया।
– और हनुमान जी कैसे?
– उन्होंने लंका को पूरी तरह ध्वस्त नहीं किया।

☺ विश्वकप के दौरान वीरेन्द्र सहवाग को बाल कटवाने की सूझी। उन्होंने वेस्टइंडीज़ में एक भारतीय नाई की दुकान ढूँढी और बाल कटवाने बैठ गये।

नाई : वीरेन्द्र जी आप तो बड़े धुँआधार खिलाड़ी थे। आजकल आपके फार्म को क्या हो गया?

सहवाग ने चुप रहना ही उचित समझा।

नाई ने फिर पूछा : हमें तो वो वीरू याद है जिसने पाकिस्तान में तीन सौ रन बनाये थे। पर अब आपके फार्म को क्या हो गया?

सहवाग फिर चुप रहे।

नाई ने फिर छेड़ा – वीरेन्द्र जी हम तो आपके स्ट्रोक्स के दीवाने थे। पर अब आपके फार्म को क्या हो गया?

इस बार सहवाग का धीरज टूट ही गया। ज़ोर से झल्लाए – ओ तू अपना काम कर। क्या फार्म–फार्म लगा रखी है।

नाई बोला – सहवाग जी गुस्सा न हों। मैं तो अपना काम ही कर रहा हूँ। जब भी मैं फार्म की बात करता हूँ आपके बाल खड़े हो जाते हैं, और मैं आसानी से उन्हें काट देता हूँ।

☺ सरकिट : भाई बापू बोलेला है कि झूठ नहीं बोलने का। मैं आगे से कभी झूठ नहीं बोलूँगा।
मुन्ना : ऐ सरकिट, वो सुनीता का बाप तेरे को ढूँढ रेला है।
सरकिट : उसको बोल देने का कि अपुन अपने गाँव चले गेला है।
मुन्ना : पर यार, तू तो अभी बोला कि झूठ नहीं बोलेगा।
सरकिट : भाई मैं मानता हूँ। पर तू तो झूठ बोल सकता है।

☺ सरकिट : भाई, अक्कल बड़ी की भैंस?
मुन्ना : सरकिट इतना आसान सवाल नहीं करने का। अब पूछा है तो जवाब तो देना पड़ेगा। पहले तू दोनों की डेट ऑफ बर्थ तो बता।

☺ मुन्ना भाई : सरकिट जब मैं छः साल का था तब छठे माले से गिर गया था। तभी से अपना भेजा कुछ घूम गयेला है।
सरकिट : भाई छठे माले से गिर कर कोई बचता नहीं। आपकी जान बची कि नहीं?
मुन्ना भाई : मेरे को याद नहीं। बोले तो बहुत पुरानी बात हो गयेली है।

☺ मुन्नभाई : सरकिट एक अच्छे वकील और एक बड़े वकील में क्या फर्क है?
सरकिट : भाई अच्छा वकील कानून को जानता है।
मुन्नाभाई : और बड़ा वकील?
सरकिट : भाई, वो जज को जानता है।

☺ मुन्नाभाई : सरकिट, भगवान राम, गुरूनानक और बापूजी में क्या समानता है?
सरकिट : भाई वो सब सरकारी छुट्टी के दिन पैदा हुए थे।